

प्रेषक,

अनूप वघावन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 12 फरवरी, 2009

विषय: बैडपुर चौराहे से धनौरी डिग्री कॉलेज (भगवानपुर इमलीखेड़ा मार्ग) तक मार्ग एवं हेतु निर्माण कार्य पर बढे हुए कार्यों हेतु पुनरीक्षित आगणन के फलस्वरूप द्वितीय किश्त की धनराशि के व्यय की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 399/IV(1)/2008-14(कुम्भ)/2008 दिनांक 13.6.2008 का संदर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रुड़की द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 1018.50 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 871.75 लाख (रु. आठ करोड़ इकहत्तर लाख पचहत्तर हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए, वित्तीय वर्ष 2008-09 में रु. 400 लाख व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। तत्काल में आपके पत्र संख्या 718/कु.मे./लो.नि.वि./बैडपुर-धनौरी मार्ग दिनांक 25.11.2008 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उक्त कार्य के अन्तर्गत बढे हुए कार्यों हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 351.46 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 340.24 लाख की लागत को भी सम्मिलित करते हुए पुनरीक्षित लागत रु. 1211.99 लाख (रु. 871.75 लाख+ रु. 340.24 लाख) के सापेक्ष स्वीकृति हेतु अवशेष रु. 811.99 लाख के विपरीत रु. 100 लाख (रु. एक करोड़ मात्र) की धनराशि को वित्तीय वर्ष 2008-09 में व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि द्वितीय किश्त के रूप में अवमुक्त की जा रही है किन्तु इस कार्य के आगणन का कोई अन्य पुनरीक्षण अनुमन्य न होगा।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दो बराबर किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही दूसरी किश्त का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
3. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए यथाआवश्यकता, निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
4. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2009 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा। उक्त विवरण प्रस्तुत किए जाने के बाद ही आगामी किश्त अवमुक्त की जाएगी।
6. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
7. शेष शर्त एवं प्रतिबन्ध उक्त शासनादेश दिनांक 31.3.2008 के अनुसार लागू रहेंगे।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुशेनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 1113/XXVII(2)/2009 दिनांक 11 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप वघावन)
सचिव।

संख्या : २४५ (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 12/2/09

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रुड़की।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

97
(विजय कुमार डौंडियाल)
अपर सचिव।